

स्नातकोत्तर (हिन्दी) पाठ्यक्रम

PROGRAMME OUTCOME

- स्नातकोत्तर हिन्दी का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा और साहित्य के विविध आयामों को समझने में सहायक है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारत की सांस्कृतिक बहुलता को बहुत अच्छे ढंग से समझ सकते हैं।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की विकासोन्मुख प्रवृत्ति को या पाठ्यक्रम समझने में मदद करता है। विभिन्न काल खंडों में विभाजित एवं नामों से सुशोभित हिन्दी साहित्य का इतिहास अपने समय की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, और धार्मिक परिस्थितियों का यथार्थपरक ढंग से मूल्यांकन करता है, साथ ही हिन्दी भाषा की विकसनशील प्रवृत्ति और व्याकरण को समझने में यह पाठ्यक्रम मदद करता है।
- हिन्दी भाषा के विकास के विभिन्न चरणों एवं देवनागरी लिपि की विशेषताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराता है। साहित्येतिहास दर्शन एवं साहित्येतिहास लेखन की परंपरा से विद्यार्थियों को परिचित कराता है।
- समाज और राष्ट्र के निर्माण में हिन्दी साहित्यकारों के अवदान से विद्यार्थियों को प्रेरित करता है।
- भारतीय साहित्य एवं पश्चिमी साहित्य के अंतर्संबंधों के अध्ययन के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर विभिन्न साहित्यिक आंदोलन के स्वरूप, महत्त्व और प्रभावों को समझने में यह पाठ्यक्रम सक्षम है।
- यह पाठ्यक्रम हिन्दी के अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार के विभिन्न साधनों के अध्ययन के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य के आयाम को विस्तार देता है।
- हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और संरचनात्मक समझ विकसित होगी। सामाजिक समस्याओं एवं विसंगतियों को पाठ समरस समाज के निर्माण के लिए के लिए विद्यार्थी प्रेरित होंगे।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में साहित्यिक रसास्वादन का विकास करता है।
- विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रति सम्मान एवं प्रेम विकसित करता है।
- विद्यार्थियों में भाषा कौशल्य को विकसित करता है।
- दैनंदिन कार्य में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देता है।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम एवं मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाता है।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की सृजन क्षमता को विकसित करने में सहायक है।